नईदुनिया

एलन मस्क का दावा–अब कनाडा में अगला चुनाव हार जाएंगे जस्टिन ट्रूडो

वॉशिंगटन

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद दुनिया में कई तरह के बदलाव देखे जा सकते हैं। इसकी शुरुआत अरबपति एलन मस्क ने कर दी है। उन्होंने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो आने वाले चुनाव में हार जाएंगे। हाल ही में अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव संपन्न हुए हैं, जिसमें डोनाल्ड ट्रंप ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है। खास बात है कि ट्रंप के प्रचार अभियान में मस्क ने भी बड़ी भूमिका अदा की थी। यहां तक कि ट्रंप ने पहले ही भाषण में टेस्ला चीफ का कई बार जिक्र किया था। हाल ही में एक यूजर ने सोशल मीडिया की एक पोस्ट में मस्क को टैग किया था। उन्होंने लिखा था, एलन मस्क हमें ट्रूडो से छुटकारा पाने के लिए आपकी मदद चाहिए। इस पर मस्क ने जवाब दिया, आगामी चुनाव में वह चले जाएंगे। खास बात है कि दिसंबर 2025 से पहले कनाडा में भी चुनाव होने हैं और फिलहाल ट्रूडो अपनी ही अगुवाई वाली लिबरल पार्टी में विरोध का सामना कर रहे हैं।

इससे पहले मस्क ने जर्मनी के चांसलर ओलाफ शूल्ज के तीन पार्टियों का गठबंधन टूटने के बाद उन्हें बेवकूफ कहा था। कारोबार समर्थक पार्टी 'फ्री डेमोक्रेट्स' के क्रिस्टियन लिंडनर को वित्त मंत्री पद से हटाए जाने के बाद जर्मनी की गठबंधन सरकार पर खतरा मंडरा रहा है। चांसलर ओलाफ शोल्ज ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अल्पमत सरकार के साथ देश का नेतृत्व करेंगे, हालांकि विपक्षी नेताओं ने जल्द चुनाव कराने का आह्वान किया है। चांसलर ने कहा कि अगले वर्ष की शुरुआत तक अल्पमत सरकार में उनकी 'सोशल डेमोक्रेट्स' और 'ग्रीन' पार्टी शामिल रहेगी। हालांकि संसद में सबसे बड़े विपक्षी गुट के नेता 'क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स' के फ्रेडरिक मर्ज ने अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान और चुनाव कराने का आह्वान किया है। कनाडा में आगामी चुनाव में ट्रूडो का सामना कई बड़े दलों से होना है। इनमें विपक्ष के नेता पियरे पॉलिवियर की कंजर्वेटिव पार्टी और जगमीत सिंह की अगुवाई वाली एनडीपी यानी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी का नाम शामिल है।

न्यूज ब्रीफ

5.2 अरब डॉलर की डीलः इजरायल को अमेरिका देगा 25 अत्याधुनिक एफ-15 फाइटर जेट्स

यरूशलम। इजरायल ने बोइंग के साथ 5.2 अरब डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत 25 अत्याधुनिक एफ-15 फाइटर जेट्स की खरीद की जाएगी। यह समझौता इजरायल के रक्षा मंत्रालय द्वारा गुरुवार को घोषित किया गया। इस डील के तहत इजरायल को एफ-15आईए फाइटर जेट्स प्राप्त होंगे, जो इजरायली हथियार प्रणालियों, उन्नत रेंज और अधिक पेलोड क्षमता से लैस होंगे। यह सौदा अमेरिकी प्रशासन और कांग्रेस द्वारा स्वीकृत व्यापक सहायता पैकेज का हिस्सा है, जो पहले इस साल के प्रारंभ में मंजूर किया गया था। इजरायल के रक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा कि इस सौदे में 25 अतिरिक्त विमानों का विकल्प भी शामिल है। अमेरिकी कंपनी बोइंग के साथ यह सौदा इजरायल की सैन्य क्षमता को और मजबूत करेगा, जो क्षेत्रीय सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है। मंत्रालय ने कहा कि इस डील का उद्देश्य इजरायली वायु सेना को मध्य पूर्व में रणनीतिक श्रेष्ठता बनाए रखने में मदद करना है, ताकि वह वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों का सामना कर सके। सौदे के अनुसार, विमान की डिलीवरी 2031 में शुरू होगी और उम्मीद की जा रही है कि हर साल चार से छह विमान इजरायल को प्राप्त होंगे। इजरायली रक्षा मंत्रालय के महानिदेशक इयाल ज़मीर ने कहा कि यह नए विमानों का अधिग्रहण इजरायल की वायु शक्ति और रणनीतिक पहुंच में ऐतिहासिक वृद्धि का प्रतीक है। ज़मीर ने कहा, यह उस समय की बात है जब इज़राइल ने 7 अक्टूबर, 2023 को गाजा पट्टी में युद्ध की शुरुआत के बाद से लगभग 40 बिलियन डॉलर के रक्षा खरीद समझौते हासिल किए हैं।

बाइडन ने नागरिकों से व्यवस्थित सत्ता परिवर्तन का वादा किया

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने देश के नागरिकों से डोनाल्ड ट्रंप की जीत

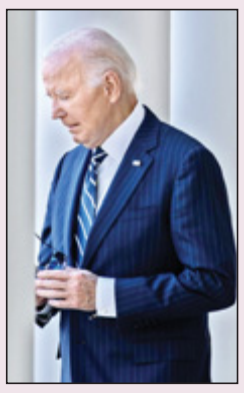

को स्वीकार करने का आग्रह किया और कसम खाई कि सत्ता का व्यवस्थित हस्तांतरण होगा। बाइडेन ने कल व्हाइट हाउस में कहा, अमेरिकी प्रयोग कायम है। हम ठीक होने जा रहे हैं, लेकिन हमें इस पर लगे रहने की जरूरत है। हमें चलते रहने की जरूरत है और सबसे बढ़कर यह कि हमें विश्वास बनाए रखने की जरूरत है। खबर में कहा गया है कि अपनी जीत के बाद ट्रंप ने अपना ध्यान अपने नए प्रशासन में अपने चुनावी वादों को पूरा करने के लिए तैयार वफादारों के साथ पदों को भरने पर केंद्रित कर दिया है। उनका दीर्घकालीन एजेंडा सरकार, विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थशास्त्र और घरेलू मामलों को व्यापक रूप से नया आकार देना होगा।

पाकिस्तानः तीन साल की बच्ची ने वायु प्रदूषण के खिलाफ याचिका दायर की, सरकार को मुकदमे में निहायत गंभीरता से लेना होगा

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक तीन साल की बच्ची ने वायु प्रदूषण के खिलाफ सरकार के खिलाफ एक महत्वपूर्ण याचिका दायर की है। याचिका में उसने सरकार को वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में नाकामी पर मामला उठाया है। यह मामला खासकर लाहौर में जो वायु प्रदूषण की उन्नति के साथ लगातार खतरे के संकेतों में से एक है। लाहौर में वायु प्रदूषण के स्तर इतना बढ़ गया है कि यह अब दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में सहित शामिल है। इस मामले को लेकर बच्ची ने याचिका में स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण की मांग की है, जिसमें उसने अपनी, अपने दोस्तों और आने वाली पीढ़ियों के लिए न्याय की अपेक्षा की है। याचिका में उसने कहा है कि देश के संविधान के अनुच्छेद 99-ए के तहत सरकार नागरिकों को एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण प्रदान करने के लिए बाध्य है। उन्होंने सरकार पर मौलिक अधिकारों की रक्षा करने में असफल रहने का आरोप लगाया है।

235 साल बाद भी अमेरिका को नहीं मिल रही महिला राष्ट्रपति, उठने लगे सवाल

भारत-पाकिस्तान समेत कई देशों में महिलाएं संभाल चुकी हैं देश की बागडोर

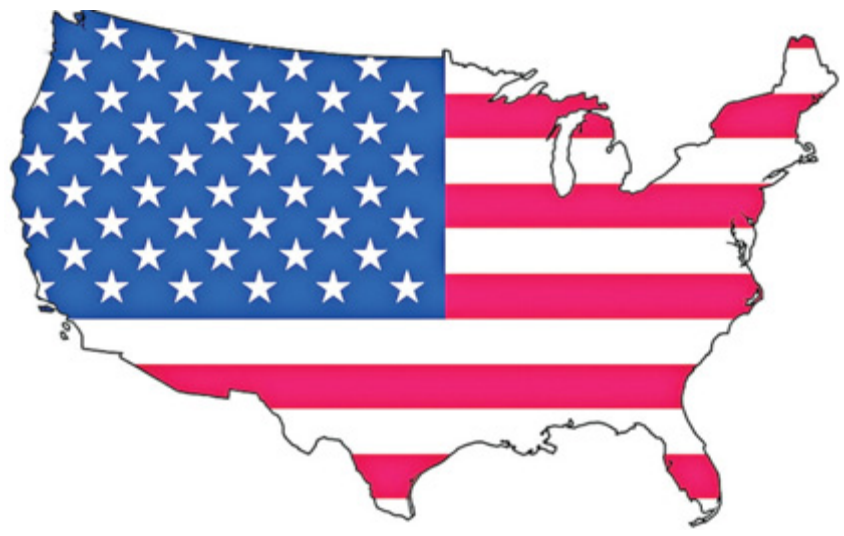

वाशिंगटन

अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव परिणामों ने एक बार फिर अमेरिका में महिला राष्ट्रपति बनने की संभावना को खत्म कर दिया है। रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप इस दौड़ में विजयी रहे हैं, जबकि डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस पीछे रह गईं। इस चुनाव ने अमेरिका के लोकतांत्रिक स्वरूप पर फिर सवाल उठ रहे हैं, खासकर महिला नेतृत्व को लेकर।

इतिहासकारों और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विक्टोरिया वुडहुल 1872 में राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार बनने वाली पहली महिला थीं। अमेरिका को अब तक अपनी पहली महिला राष्ट्रपति नहीं मिल पाई है, जबकि देश में ज्यादातर उच्च पदों पर महिलाओं ने सफलता हासिल की है। यह 235 सालों से ज्यादा का समय हो चुका है, और अब तक कोई महिला अमेरिका का सर्वोच्च पद यानी राष्ट्रपति की कुर्सी पर नहीं बैठ पाई है।

अमेरिका में कई उच्च पदों पर महिलाएं रही हैं, जैसे संसद के दोनों सदनों में महिलाओं की उपस्थिति और कुछ महत्वपूर्ण मंत्रालयों में उनकी भूमिका रही है, लेकिन जब बात राष्ट्रपति पद की आती है, तो अमेरिका का रिकॉर्ड शून्य है। 2016 में हिलेरी क्लिंटन ने राष्ट्रपति पद के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा की थी, लेकिन वह ट्रंप से हार गईं थीं। हालांकि, उन्हें ट्रंप से करीब 28 लाख ज्यादा पॉपुलर वोट मिले थे, लेकिन इलेक्टोरल कॉलेज के बहुमत के कारण ट्रंप की जीत मिली थी। इसके विपरीत अन्य देश इस मुद्दे पर अमेरिका से कहीं आगे हैं। 1960 में श्रीलंका ने सिरीमावो भंडारनायके को पीएम बनाकर इतिहास रचा था। वह दुनिया की पहली महिला थीं, जिन्हें किसी देश का प्रमुख चुना गया। इसके छह साल बाद भारत ने 1966 में इंदिरा गांधी को पीएम पद पर आसीन किया था।

ट्रंप की जीत के बाद अमेरिका छोड़ना चाहती हैं एलन मस्क की बेटी

वॉशिंगटन। अरबपति एलन मस्क की बेटी विवियन जेना विल्सन ने अमेरिका छोड़ने की बात कही है।चुनाव नतीजे के बाद ट्रांसजेंडर बेटी ने पोस्ट किया, मैंने कुछ समय पहले यह सोचा था, मगर अब इसकी पुष्टि भी हो गई है। मैं संयुक्त राज्य अमेरिका में अपना भविष्य नहीं देखती हूं। इसलिए अमेरिका छोड़ रही हूं। बता दें कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की व्हाइट हाउस में वापसी के लिए उनके सबसे प्रमुख समर्थकों में से एक एलन मस्क रहे हैं। ट्रंप की जीत में उनका अहम योगदान माना जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के सबसे अमीर आदमी ने फ्लोरिडा में ट्रंप के साथ उनके मार-ए-लागो रिसॉर्ट में चुनावी रात बिताई। ट्रंप की जीत लगभग निश्चित दिखाई देने के बाद मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अमेरिका के लोगों ने डोनाल्ड ट्रंप को आज रात बदलाव के लिए स्पष्ट जनादेश दिया।मस्क से अलग हो चुकी बेटी ने राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद यह कसम खाई। उन्होंने कहा कि भले ही वह केवल 4 साल के लिए पद पर रहें। भले ही ट्रांस-विरोधी नियम लागू न हों। जिन लोगों ने स्वेच्छा से इसके लिए मतदान किया, वे जल्द नहीं बदलने वाले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पाम बीच कन्वेंशन सेंटर में अपने विजय भाषण में डोनाल्ड ट्रंप ने मस्क की प्रशंसा की थी। उन्होंने मस्क की कंपनियों में से एक स्पेसएक्स की ओर से निर्मित रॉकेट की सफल लैंडिंग को याद करते हुए कई मिनट बिताए।

अमेरिका में ट्रंप की जीत का जश्न तो जर्मनी में दोस्त ओलाफ की गिर गई सरकार

बर्लिन

वित्त मंत्री को पद से हटाने के बाद एफडीपी ने लिया समर्थन वापस

डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनने के बाद अमेरिका में जश्न मश्न रहा है, वहीं यूरोप में राजनीतिक उथल-पुथल तेज हो गई है। जर्मनी में चांसलर ओलाफ स्कोल्ज की गठबंधन सरकार गिर गई है। जर्मनी की फ्री डेमोक्रेटिक पार्टी (एफडीपी) ने गठबंधन से अपना समर्थन वापस ले लिया है, जिससे मौजूदा सरकार का बहुमत खत्म हो गया है।

ओलाफ के वित्त मंत्री क्रिश्चियन लिंडनर को हटाने के फैसले के बाद एफडीपी ने अपने मंत्रियों को कैबिनेट से बाहर कर लिया, जिससे गठबंधन टूट गया। उन्होंने घोषणा की है कि वह जनवरी में विश्वास मत हासिल करेंगे ताकि मार्च तक समय से पहले चुनाव कराए जा सकें। एफडीपी के प्रमुख लिंडनर का पार्टी के बीच विशेष प्रभाव है और उनका हटाया जाना पार्टी के लिए अस्वीकार्य था। गठबंधन में दूसरी बड़ी पार्टी ग्रीन्स अभी भी सरकार का हिस्सा है, लेकिन अल्पमत में होने के कारण स्कोल्ज को अन्य पार्टियों से अस्थाई समर्थन की जरुरत होगी।

इस राजनीतिक अस्थिरता के बीच रूढ़िवादी विपक्षी पार्टी सीएसयू के नेता मार्कस सोडर ने तुरंत चुनाव कराने की मांग की है। जर्मनी वर्तमान में आर्थिक संकट और वैश्विक चुनौतियों से जूझ रहा है, ऐसे में समय से पहले चुनाव का दबाव सरकार पर भारी पड़ सकता है। जर्मनी के राष्ट्रपति फ्रैंक-वाल्टर स्टीनमीयर ने कहा है कि यदि स्कोल्ज विश्वास मत हासिल कर लेते हैं, तो वह चुनाव को रोकने हस्तक्षेप नहीं करेंगे। इस स्थिति में चांसलर स्कोल्ज ने अल्पमत सरकार में बने रहने का संकल्प लिया है।

इजरायल ने हिजबुल्लाह पर रातभर की बमबारी

बेरूत

इजरायल की सेना बेरूत के दक्षिणी शहरों में आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के गढ़ों पर लगातार हमला कर रही है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, बेका घाटी और बालबेक में अब तक 40 लोगों की मौत हो गई है। हिजबुल्लाह भी लगातार इजरायल पर हमला कर रहा है। हमले में एक इजरायली सैनिक की मौत की खबर आ रही है। आईडीएफ ने सैनिक की पहचान उजागर की है।

वहीं, एक बयान में बताया कि हिजबुल्लाह के लड़ाकों ने बुधवार देर रात तेल अवीव के दक्षिण में 'बिलु बेस' पर पहली बार एक साथ बहुत से अटैकर ड्रोनों को लॉन्च किया। हिजबुल्लाह ने कहा कि हमलावर ड्रोनों के झुंड ने पहली बार तेल अवीव के दक्षिण में इजरायली सेना के बिलू बेस को निशाना बनाया। शुक्रवार को इजरायल के उत्तरी बंदरगाह शहर हाइफा में एक नौसैनिक अड्डे पर फिर से हमला किया गया। 7 अक्टूबर, 2023 से गाजा में इजरायल के नरसंहार में कम से कम 43,391 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 102,347 घायल हुए हैं। लेबनान में यूएन के मानवीय प्रमुख जॉयस मसूया ने चेतावनी दी है कि उत्तरी गाजा में इजरायली सेना ने 'लगभग पूरी तरह से क्रूर घेराबंदी' के तहत रखे गए।

नेपाल-भारत के बीच दो नई ट्रांसमिशन लाइन पर सैद्धांतिक सहमति

काठमांडू

नेपाल और भारत के बीच दो अंतरराष्ट्रीय ट्रांसमिशन लाइन पर सैद्धांतिक सहमति हो गई है। नई दिल्ली का तीन दिवसीय दौरा पूरा कर लौटे ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का ने आज यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच नेपाल के इनरुवा और भारत के पूर्णिया को जोड़ने वाली 400 केवी ट्रांसमिशन लाइन और इतनी ही क्षमता की लम्की-बरेली ट्रांसमिशन लाइन के निवेश के प्रारूप पर सैद्धांतिक सहमति हो गई है। इनरुवा-पूर्णिया ट्रांसमिशन लाइन को 2027-2028 तक पूरा करने का लक्ष्य है। लमकी (दोधारा)-बरेली 400 केवी ट्रांसमिशन लाइन को 2028-2029 तक पूरा करने पर भी सहमति बनी है। नेपाल इन दोनों ट्रांसमिशन लाइनों को न्यू बुटवल-गोरखपुर ट्रांसमिशन लाइन के भारतीय खंड की तर्ज पर बनाने का प्रस्ताव कर रहा था। उन्होंने कहा नई दिल्ली में उनकी भारत के मंत्री मनोहर लाल के साथ द्विपक्षीय बैठक हुई। खड़का ने बताया कि इस पर नेपाल विद्युत प्राधिकरण और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया मिलकर काम करेंगे।

खड़का के मुताबिक नेपाल अपने हिस्से का निर्माण कार्य अमेरिका की एमसीसी परियोजना के अनुदान से करेगा। यह जानकारी भारत को दे दी गई है। नेपाल की सीमा से भारत के गोरखपुर तक निर्माण के लिए दोनों देशों की सरकारी कंपनी को मिला कर एक ज्वाइंट वेंचर कंपनी बनाने पर भी सहमति हो गई है। इसमें दोनों देशों की बराबर की हिस्सेदारी होगी। जल्द ही दोनों देशों के ऊर्जा सचिव लिखित समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस के स्टाफ में सबसे ताकतवर होंगी सूसी विल्स

वाशिंगटन

संयुक्त राज्य अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने अपने चुनाव में फ्लोरिडा की रणनीतिकार सूसी विल्स को व्हाइट हाउस का चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया है। वह व्हाइट हाउस की पहली अमेरिकन महिला चीफ ऑफ स्टाफ होंगी। उन्होंने लगभग चार साल तक ट्रंप के चुनाव अभियान की कमान संभाली।

खबर के अनुसार, मंगलवार को चुनाव जीतने के बाद ट्रंप ने सूसी के रूप में व्हाइट हाउस में पहली नियुक्ति की है। 67 वर्षीय सूसी विल्स उनके परिवार के बेहद करीब हैं। विल्स ने ट्रंप को अराजक प्रबंधन शैली से उबारा है। वह 2016 और 2020 में भी ट्रंप के राजनीतिक अभियान से जुड़ी रही हैं। साथ ही मुकदमों से निपटने में भी ट्रंप की मदद की है। ट्रंप ने उनकी नियुक्ति की घोषणा करते हुए एक बयान में कहा, सूसी सख्त, स्मार्ट, नवोन्मेषी हैं और सार्वभौमिक रूप से प्रशंसित और सम्मानित हैं। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह हमारे देश को गौरवान्वित करेंगी।

सूसी के नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, ट्रंप के दो बड़े बेटों डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर और एरिक से घनिष्ठ संबंध हैं। सूसी विल्स के पिता पैट समरॉल दिग्गज फुटबॉलर रहे हैं। फ्लोरिडा के पूर्व गवर्नर जेब बुश ने ट्रंप के इस फैसले की प्रशंसा की है। सूसी विल्स ने फ्लोरिडा स्थित लॉबिंग फर्म बैलार्ड पार्टनर्स और फिर मर्करी पब्लिक अफेयर्स के लिए भी काम किया है।

सूसी विल्स की व्हाइट हाउस में अहम भूमिका होगी। विल्स रिपब्लिकन पार्टी की कार्यकर्ता हैं। अब वह व्हाइट हाउस के कर्मचारियों का प्रबंधन करेंगी। राष्ट्रपति के कार्यक्रम तय करेंगी। फ्लोरिडा स्थित रिपब्लिकन सलाहकार डेविड जॉनसन ने कहा, सूसी एक मजबूत महिला और एक सच्ची नेता हैं, जिनके पास काम करने का सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है। सूसी विल्स ने रोनाल्ड रीगन के 1980 के राष्ट्रपति अभियान पर भी काम किया है। उन्होंने फ्लोरिडा के रिपब्लिकन गवर्नर रॉन डेसेंटिस को 2018 में चुनाव जीतने में भी मदद कर चुकी हैं।

चुनाव के दौरान विल्स ने ट्रंप को अपनी रणनीति से भटकने नहीं दिया। यही वजह है कि ट्रंप ने दूसरी बार ऐतिहासिक जीत दर्ज की। मीडिया में लीक होने वाली सूचनाओं को भी कम करने में विल्स ने अहम भूमिका निभाई। लैटिनो और अश्वेत मतदाताओं को अपने पक्ष में करने की खातिर विल्स ने एक खास रणनीति बनाई। यह रणनीति सफल रही। ट्रंप की जीत में इन मतदाताओं की भूमिका निर्णायक रही।